Patrika (Indore), 09th March 2024, Page – 02

5 सालों में 250 नई तकनीकें विकसित करेगा आइआइटी इंदौर

उज्जैन के इंजीनियरिंग कॉलेज में संस्थान ने तैयार की तीन अत्याधुनिक लैब, सीएम ने किया उद्घाटन

इंदौर. उज्जैन में आइआइटी इंदौर के परिसर बनाने की शुरुआत हो चुकी है। उज्जैन इंजीनियरिंग कॉलेज में आइआइटी इंदौर ने टेक्नोलॉजी, उद्यमिता और नवाचार के लिए तीन अत्याधुनिक रिसर्च लैब भी तैयार की हैं। शुक्रवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने तीनों लैब का उद्घाटन किया। इस मौके पर शिक्षा एवं कौशल विकास व उद्यमशीलता मंत्रालय के कैबिनेट मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और आइआइटी इंदौर के निदेशक सुहास भगत वर्चुअली मौजूद रहे। इन प्रयोगशालाओं में मेकरस्पेस, खगोल विज्ञान व अंतरिक्ष इंजीनियरिंग और लेजर इंजीनियरिंग शामिल है।

मेकरस्पेस प्रयोगशाला इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स के इनोवेटिव और क्रिएटिव आइडिया को एक सक्षम वास्तविक परिवेश प्रदान करेगी। यह लैब स्टूडेंट्स को सिस्टम के पार्ट्स को अलग-अलग करने, उन पर शोध कर फिर उसे मूल सिस्टम बनाने के लिए सशक्त करेगी। साथ ही विद्यार्थियों के क्रिएटिव आइडिया को वास्तविक इंजीनियरिंग प्रोडक्ट्स में बदलने के लिए नया सिस्टम बनाने में मदद करेगी।

लैब में लेजर आधारित जीआइ इंडेक्स प्रिंटिंग

लेजर इंजीनियरिंग प्रयोगशाला से विद्यार्थियों को उद्योगों में विभिन्न अनुकूलित आवश्यकताओं के लिए लेजर सिस्टम को डिजाइन करने का अनुभव मिलेगा। इस प्रयोगशाला में लेजर आधारित जीआई इंडेक्स प्रिंटिंग रहेगी, जो कपड़ों पर बाघ लोगों प्रिंटिंग और लकड़ी की नक्काशी करने में मदद करेगी।